तापमान

अधिकतम 29.0 डिग्री

न्यूनतम 23.0 डिग्री

हरिभूमि वनांचल भूमि

रायपुर, शनिवार 12 जुलाई 2025

11 4 लाख 50 हजार की मरम्मत राशि हजम

12 प्रशासन पहुंचा पीएम आवास के हितग्राही के द्वार

खबर संक्षेप

मंडी की जमीन में सुरक्षा बल काबिज, पर नहीं मिल रहा किराया

जगदलपुर। बस्तर संभाग की 3 मंडी एवं 2 उप मंडी के लगभग 39.05 एकड़ जमीन में वर्षों से सुरक्षा बलों का कब्जा है। बीजापुर मंडी का 11 एकड़, नारायणपुर मंडी का ढाई एकड़, कोंडागांव मंडी का 9 एकड़, भोपालपटनम उप मंडी का 15 एकड़ एवं दोरनापाल उप मंडी का 2 एकड़ जमीन वर्ष 2005 से सुरक्षा बल तैनात हैं। बताया जा रहा है कि नक्सल ऑपरेशन के लिए सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। इसके चलते लगभग वर्षों से मंडी में उपज की आवक कमी एवं आय प्रभावित हो रही है। मंडी सूत्रों के अनुसार सुरक्षा बलों की ओर से मंडी को कब्जे की जमीन का अब तक किराया नहीं दिया जा रहा है। हालांकि कुछ वर्ष पूर्व मंडी की ओर से पुलिस से कब्जे का किराया मांगने का प्रयास किया पर कोई जवाब नहीं मिला। कृषि विपणन मंडी बोर्ड बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक केएल मंडावी ने संबंधित मंडी सचिवों को निर्देश दिया कि सुरक्षा बलों द्वारा कब्जा की जमीन का किराया मांगे।

अनियमितता, 3 कृषि केंद्रों को कारण बताओ नोटिस

बीजापुर। जांच में मिली अनियमितता, 3 कृषि केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। संचालक कृषि के निर्देशानुसार जिले में संचालित उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय केन्द्रों का लगातार जांच जारी है। उप संचालक कृषि प्रताप सिंह कुसरे के नेतृत्व में निरीक्षकों द्वारा प्रत्येक विकासखण्ड संचालित विक्रय केन्द्रों का निरीक्षण कर अनियमितता पर कार्रवाइ की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाये जाने पर 3 कृषि केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

बीजापुर विकासखण्ड में निरीक्षक उग्रेश कुमार देवांगन (सहायक संचालक कृषि) एवं मरकेला श्रीनिवास (कृषि विकास अधिकारी) द्वारा ग्राम मांझीगुड़ा में संचालित धुरवा कृषि केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रय केन्द्र में निर्धारित प्रारुप में स्कंध पंजी का संधारण, मुल्य सूची का प्रदर्शन, दैनिक उपलब्ध स्टॉक सूची का प्रदर्शन नहीं पाया गया। इसी तरह विकासखण्ड़ भोपालपटनम में उप संचालक कृषि प्रताप सिंह कुसरे के नेतृत्व में निरीक्षक चुनेन्द्र प्रकाश देवांगन (अनुविभागीय कृषि अधिकारी) द्वारा बालाजी ट्रेडर्स, मद्देड़ एवं लक्ष्मी मार्केटिंग एण्ड कृषि सेवा केन्द्र, मद्देड़ का निरीक्षण किया गया।

सौर ऊर्जा से जगमगाया बस्तर का बेस्ट टूरिज्म विलेज धुड़मारास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

बस्तर जिले के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आने वाला छोटा सा आदिवासी गांव धुड़मारास आज विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बना चुका है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा दुनिया के 20 सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में शामिल, यह गांव अब पर्यावरणीय संरक्षण और सतत विकास का मॉडल बनकर उभरा है।

प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और पारंपरिक जीवनशैली से परिपूर्ण यह गांव, अब सौर ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर अंचल में पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ स्थानीय सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। धुड़मारास गांव में क्रेडा द्वारा सौर ऊर्जा आधारित विभिन्न परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर स्वच्छ पेयजल, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था और शैक्षणिक संस्थानों में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण क्रेडा के माध्यम से गांव में 3 नग सोलर ड्यूल पम्प की स्थापना कर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। 2 नग सोलर हाईमास्ट संयंत्र की स्थापना कर रात्रिकालीन प्रकाश की व्यवस्था की गई है। ग्राम की गलियों में सोलर पावर स्ट्रीट लाइट लगाई गई हैं। प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में सौर ऊर्जा आधारित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। क्रेडा के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश राणा द्वारा परियोजनाओं की निरंतर निगरानी कर कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण ढंग से ▶▶| शेष पेज 10 पर

धुड़मारास गांव बना विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल, 20 सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में एक

बांस राफ्टिंग जैसी गतिविधियां

धुड़मारास गांव में ईको-पर्यटन विकास समिति द्वारा कांगेर नदी में कयाकिंग और बांस राफ्टिंग जैसी साहसिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। पर्यटकों हेतु प्रतीक्षालय, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास भी ग्रामीण स्तर पर किया जा रहा है। राज्य शासन के वन एवं पर्यटन विभाग द्वारा धुड़मारास को ईको-टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की दिशा में योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। इसी तर्ज पर नागलसर एवं नेतानार जैसे गांवों में भी ईको पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। धुड़मारास की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि शासन की योजनाएं सामुदायिक सहभागिता के साथ लागू की जाएं, तो ग्रामीण क्षेत्रों में भी आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास संभव है। यह गांव अब पूरे बस्तर अंचल के लिए प्रेरणास्त्रोत बन चुका है।

प्राइवेट बस एसोसिएशन की 4 दिनों से हड़ताल, बस्तर से ओडिशा आवागमन प्रभावित

जैपुर- किरंदुल के बीच यात्रियों के लिए दी गई विशेष ट्रेन की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

पूर्वतट रेलवे के रायगड़ा रेल मंडल के किरन्दुल-कोत्तवालसा रेल लाइन अंतर्गत कोरापुट और जैपुर के मध्य मल्लिगुड़ा-जरटी स्टेशन के बीच गत 2 जुलाई को भारी बारिश के चलते पहाड़ से करीब 25 हजार घन मीटर मिट्टी और चट्टानों का मलबा रेल ट्रैक पर गिरने से केके मार्ग उस दौरान बाधित रही। दो दिन के पश्चात 4 जुलाई की देर शाम को बाधित लाइन बहाल कर दिया गया था। लेकिन 4 जुलाई से सप्ताह भर बाद भी किरन्दुल से कोरापुट के मध्य यात्री ट्रेनो का परिचालन बंद है। इधर ओडिशा प्राइवेट बस एसोसिएशन के हड़ताल पर चले जाने से छत्तीसगढ़ के बस्तर से ओडिशा का सड़क सम्पर्क भी लगभग खत्म सा हो गया। हालांकि पूर्वतट रेलवे के पहल पर बस्तर के यात्रियों को फौरी तौर पर राहत देते पिछले 4 दिनों से किरन्दुल से जैपुर के मध्य स्पेशल पैसेंजर ट्रेन की सेवा दे रही है। जैपुर से कोरापुट जाने ओडिशा में सरकारी बसों का संचालन होने से यात्रियों को थोड़ी राहत मिली है। कोरापुट से ट्रेन के जरिये भुवनेश्वर, हावड़ा, राउरकेला, विशाखापटनम जाने कोरापुट से समलेश्वरी, राउरकेला, हीराखण्ड एवं नाईट एक्सप्रेस ट्रेन समेत पेसेंजर ट्रेन पिछले 5 जुलाई से नियमित रूप से संचालित हो रही है।

विदित हो कि छत्तीसगढ़ में शतप्रतिशत प्राइवेट बस का संचालन होता है। इसलिए बस्तर से ओडिशा जाने लोगों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बसों का परिचालन बंद होने से एकमात्र स्पेशल पेसेंजर ट्रेन में भारी भीड़ होने से यात्रियों को कभी-कभी जगदलपुर से जैपुर तक खड़े-खड़े सफर करना पड़ रहा है। रेल मंडल विशाखापटनम ने स्पेशल पैसेंजर का संचालन अवधि बढ़ाने से बस्तर के यात्रियों को सुविधा मिलेगी। रेल मंडल 11 जुलाई याने 8 दिनों के बाद भी किरन्दुल और जगदलपुर से चलने वाली समलेश्वरी एक्सप्रेस, किरंदुल से विशाखापटनम पैसेंजर, जगदलपुर से राउरकेला इंटरसिटी एक्सप्रेस, जगदलपुर से भुवनेश्वर जाने वाली हीराखण्ड एक्सप्रेस और किरन्दुल से विशाखापटनम जाने वाली नाईट एक्सप्रेस ट्रेनों को बंद रखा है।

विशेष सेवा का लें लाभ

विशेष ट्रेनें जैपुर-किरंदुल के बीच विशाखापटनम रेल मंडल के सीनियर डिवीजन कमर्शियल मैनेजर के संदीप ने जानकारी देते बताया विशाखापटनम - किरंदुल- विशाखापटनम पैसेंजर के निर्धारित समय और निर्धारित स्टॉपेज पर चलेंगी। उक्त स्पेशल पैसेंजर ट्रेन में सामान्य श्रेणी के डिब्बे 8, द्वितीय श्रेणी सह सामान डिब्बे है एसडीकेएम संदीप ने यात्रियों से अनुरोध करते कहा कि वे इन विशेष रेल सेवाओं का लाभ उठाएं।

स्पेशल पैसेंजर ट्रेन परिचालन की अवधि बढ़ायी

गुरुवार को विशाखापटनम रेल मंडल ने नया आदेश जारी करते स्पेशल पैसेंजर ट्रेन का समय सारिणी तय किया है। जिसके अनुसार जैपुर और किरंदुल के बीच यात्रियों को आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए,पूर्व तट रेलवे ने 58501/58502 विशाखापटनम-किरंदुल- विशाखापटनम पैसेंजर ट्रेन के समय और ठहराव को 11 जुलाई से बढ़ाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 08501 जैपुर-किरंदुल पैसेंजर स्पेशल 11 से 13 जुलाई तक जैपुर से 14.50 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 20.45 बजे किरंदुल पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 08502 किरंदुल-जयपुर पैसेंजर स्पेशल 12 से 14 जुलाई तक किरंदुल से सुबह 6 बजे प्रस्थान करेगी और 11.40 बजे जयपुर पहुँचेगी।

जिले की 54 स्कूल बसों का पंजीयन होगा निलंबित

जगदलपुर। परिवहन विभाग के आरटीओ एवं परिवहन निरीक्षक ने 14 जून एवं 5 जुलाई को बस्तर जिले के स्कूल बसों को जांच किया गया। इस दौरान अब तक लगभग 54 स्कूल बस नहीं पहुंचे, जिससे आरटीओ ने संबंधित स्कूल प्रबंधन को नोटिस दिया कि अपने स्कूल के बसों की जांच कराएं। आरटीओ कार्यालय में नहीं पहुंचने पर 54 स्कूल बसों का पंजीयन शीघ्र ही निलंबित किया जाएगा। बताया कि सुप्रीम कोर्ट के दिए गए गाइडलाइंस के अनुसार स्कूल बसों में स्पीड लिमिट डिवाइस, व्हीएलटी डिवाइस, सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य समस्त उपकरण लगाकर आड़ावाल स्थित आरटीओ कार्यालय में समस्त दस्तावेजों जैसे परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण, स्पीड लिमिट डिवाईस, व्हीएलटी डिवाइस, पेनिक बटन एवं खिड़की में जाली होना चाहिए। परिवहन विभाग के निरीक्षक एसके झा ने बताया कि जांच में नहीं पहुंचे स्कूल बसों को स्कूल परिसर में जाकर जांच कर जब्त की जाएगी।

- जांच में नहीं पहुंची बसें प्रबंधन को आरटीओ ने दी नोटिस

ब्लैक लिस्टेड होंगी स्कूल बस

संयुक्त कलेक्टर एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डीसी बंजारे ने बताया कि जांच में नहीं पहुंचने वाले स्कूल बसों के परमिट, फिटनेस निरस्त करते हुए ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई की जाएगी।

कावड़ यात्रा मार्ग में मांस मदिरा दुकानें बंद हो : बजरंग दल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा जिले के समस्त विकासखंडों में प्रत्येक सोमवार को कावड़ यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक आयोजनों को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए आज प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रशासन से निम्न बिंदुओं पर सहयोग की मांग की गई जिसमें यात्रा मार्गों पर समुचित यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आपात स्थिति के लिए एम्बुलेंस एवं प्राथमिक चिकित्सा दल तैनात किए जाएं। श्रद्धालुओं की भावना का सम्मान करते हुए यात्रा मार्गों पर स्थित मांस-मदिरा की दुकानों को अस्थायी रूप से बंद रखा जाए। कावड़ यात्रा कार्यक्रम प्रथम सोमवार जगदलपुर से प्राचीन देवड़ा शिव मंदिर, द्वितीय सोमवार जगदलपुर से रामपाल शिव मंदिर रामायणकालीन, ▶▶| शेष पेज 10 पर

- विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने जिला प्रशासन को सौंपा मांगपत्र

जलजनित रोगों से बचने लोगो में जन जागरुकता जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर जिले के स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर गुरु गोविंद सिंह वार्ड के अगहनपुर स्कूल मे शुक्रवार को सुबह मच्छरदानी वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन ने किया। शहर के सभी 48 वार्डों में निर्धारित तिथि अनुसार जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में मच्छरदानी का वितरण किया जा रहा है। मलेरिया, डेंगू, जापानी बुखार, फाइलेरिया, चिकनगुनिया एवं येलो फीवर से बचने के लिए मच्छरदानी का वितरण किया जा रहा है। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को भी मच्छरदानी वितरण किया गया जिसमें मंजू प्रिया नाग, सोनमती कश्यप, कुमारी नाग, कुमारी कश्यप, माया घोष थे। वार्ड मे 300 परिवारजनों को मच्छरदानी वितरण किया गया।

खेमसिंह ने कहा मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियों को रोकने की दिशा मे किये जा रहे प्रयास मे यह मच्छरदानी का वितरण किया जा रहा है। लोगों मे जन जागरूकता जरूरी है। योगेंद्र पांडे ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जन जागरूकता और समय पर बचाव ही बीमारियों से सुरक्षा की कुंजी है। नगर मंडल पूर्वी अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव ने भी अपनी ▶▶| शेष पेज 10 पर

- गुरु गोविंद सिंह वार्ड में मच्छरदानी का वितरण

जंगल में हुआ प्यार, अब चाहते है खुशहाल जिंदगी बसर करना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

दो दिन पूर्व बीजापुर जिले में समर्पण करने वाले नक्सली अमित व अरूणा ने अपने एकतरफा प्यार की कहानी बताते हुए कहा कि समर्पण के बाद वे अब बिना भय के खुशहाल जिंदगी बसर करना चाहते है। जंगल में रहने के दौरान दोनों में प्यार हुआ इसके बाद नसबंदी फिर विवाह भी हुआ लेकिन बच्चे की चाहत व खुशहाल जिंदगी की चाहत के चलते दोनों ने समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए।

हम बात कर रहे है समर्पित नक्सली अमित व अरूणा की संगठन में अमित डीवीसीएम व अरूणा एसीएम कैडर के थे जिन पर 8 लाख व 5 लाख का ईनाम घोषित था। अमित बारसा सुकमा जिले के जगरगुंडा इलाके का रहने वाला है। वहीं उसकी पत्नी अरूणा लेकाम बीजापुर जिले की रहने वाली है।

अमित ने बताया कि मेरी मां अकेली है पिता, भाई, बहन कोई नहीं है जब वह लगभग 12 साल का था तभी एसीएम लिंगे उसे अपने साथ नक्सल संगठन में शामिल करने ले गई थी। उसी ने हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया। इसके बाद उसे बस्तर के अलावा अबूझमाड़ व महाराष्ट्र के गढ़चिरौली भेजा गया। इस बीच उसे पोलित ब्यूरो सदस्य एक करोड़ के ईनामी वेणुगोपाल के सुरक्षा गार्ड में शामिल किया गया। इस दौरान वह अबूझमाड़ और गढ़चिरौली बॉर्डर पर ही थे। इसी बीच वर्ष 2019 से पहले गढ़चिरौली में एक पार्टी मीटिंग के दौरान अरूणा से उसकी मुलाकात हुई। अमित ने बताया कि पहली नजर में ही वो मुझे पसंद आ गई। संगठन की मीटिंग के दौरान वह खाने पीने का बंदोबस्त करने तथा गांव से सामान ▶▶| शेष पेज 10 पर

- एक करोड़ के ईनामी वेणुगोपाल के सुरक्षा गार्ड अमित व अरूणा ने बताई एकतरफा प्यार की कहानी

बच्चे की चाहत व संगठन की पाबंदी के चलते किया समर्पण, अब कराएंगे रिवर्स नसबंदी

अमित व अरूणा ने बताया कि वे अब नसबंदी खुलवाएंगे। उन्हें बच्चे की चाहत है और दोनों आम लोगों की तरह परिवार के साथ रहना चाहते है। दोनों का कहना है कि वे अब खुलकर अपनी जिंदगी जीना चाहते है। अन्य लोगों की तरह मुख्यधारा में शामिल होकर जीना चाहते हैं। हथियार के साए में रहना नहीं चाहते। अब दोनों जंगल से दूर गांव में रहकर खेती किसानी कर मेहनत से खुशहाल जीवन जीना चाहते है। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी बस्तर पुलिस ने कई समर्पित नक्सलियों का रिवर्स नसबंदी कराकर खुशहाल जिंदगी दे चुके है। नक्सल संगठन में रहने के दौरान साथ में काम करते हुए कई पुरूष नक्सलियों को महिला नक्सलियों से इश्क हो जाता है। वे टॉप नक्सलियों से इजाजत लेकर शादी कर लेते हैं। लेकिन शादी से पूर्व इन्हें नसबंदी करवानी पड़ती है। क्योंकि नक्सली संगठन में शादी करने की इजाजत तो है, लेकिन बच्चे पैदा करने की नहीं।

भाषा की बगिया महकी बस्तर संभाग में दो दिवसीय बहुभाषा प्रशिक्षण संपन्न

रोचक आइस-ब्रेकिंग गतिविधि ने वातावरण को जीवंत कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर संभाग में भाषा और नवाचार की खुशबू उस समय और अधिक फैल गई जब अभिनंदन पार्क में दो दिवसीय संभाग स्तरीय बहुभाषा शिक्षण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। भाषा की बगिया में दो दिवस जहां अनुभव और सीख के फूल खिले थीम पर आधारित यह आयोजन न केवल एक प्रशिक्षण सत्र था,बल्कि एक सांस्कृतिक,शैक्षणिक और संवेदनशील संगम का अनुभव भी रहा।

इस प्रशिक्षण का आयोजन राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद के निर्देश पर डाइट बस्तर द्वारा किया गया, जिसमें बस्तर संभाग के सभी सात जिलों से चुने गए शिक्षकों ने भागीदारी की। प्रत्येक जिले से छह प्रतिभागी और एक नोडल अधिकारी ने प्रतिनिधित्व किया। प्रशिक्षण की शुरुआत अनोखे अंदाज़ में हुई जहां हर प्रतिभागी को अपने बगल में बैठे साथी का परिचय देना था। इस रोचक आइस-ब्रेकिंग गतिविधि ने वातावरण को जीवंत कर दिया। मंचासीन अतिथियों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति, आत्मविश्वास और संप्रेषण शैली का उत्सुकता से अवलोकन किया। प्रशिक्षण में संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा संजीव श्रीवास्तव ने शिक्षकों से सीधे संवाद करते हुए स्कूलों में भाषा शिक्षण से जुड़ी चुनौतियाँ पूछीं। शिक्षकों ने खुलकर अनुभव साझा किए। इसके पश्चात राज्य बहुभाषा संचालक डॉ रघु ने मातृभाषा से सुगम भाषा की ओर बच्चों की भाषा-यात्रा को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि भाषा केवल अभिव्यक्ति नहीं, आत्मविश्वास की सीढ़ी भी है।

जब न्यूरॉन ने चौंकाया: डॉ. सुशील राठौर द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित सत्र में बाल मस्तिष्क के विकास और बहुभाषिकता की वैज्ञानिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की गई। उनकी एक पंक्ति ने सभी को चौंका दिया। एक बाल मस्तिष्क में 86 अरब न्यूरॉन होते हैं। पीछे से आई एक फुसफुसाहट बाप रे, इतने में तो पूरी पृथ्वी की जनसंख्या कवर हो जाए ने वातावरण को हल्का कर दिया।

कोंडागांव जिले की प्रभावी उपस्थिति : कोंडागांव जिले से नोडल श्रीनिवास नायडू के नेतृत्व में हरेराम पटेल,श्रवण मानिकपुरी, पुरुषोत्तम पोयाम,बृजलाल यादव और हेमदेव सोम ने सक्रिय भागीदारी निभाई। यह आयोजन बहुभाषावाद को व्यवहारिक धरातल पर लागू करने की दिशा में एक सशक्त कदम था। यह प्रशिक्षण सिर्फ शब्दों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शिक्षकों के अनुभवों, तर्कों और नवाचारों की साझेदारी का उत्सव बन गया।

- बस्तर संभाग के सभी सात जिलों से चुने गए शिक्षकों ने भागीदारी की

सक्रियता और सीख पूनम वासम के संग

दोपहर की चाय के बाद आई पूनम वासम की सत्र ने फिर से सभी को सक्रिय किया। उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से यह दर्शाया कि एक शिक्षक को पहले खुद एक छात्र बनना चाहिए।प्रशिक्षण में डॉ. डीकेश वर्मा और डॉ. सुशील राठौर ने भी प्रशिक्षण सत्रों का कुशल संचालन किया। डाइट बस्तर के प्राचार्य डॉ नितिन डडसेना ने बहुभाषा शिक्षण को समयानुकूल और आवश्यक बताया। डाइट बस्तर बहुभाषा के जिला समन्वयक राजेन्द्र कुमार जोशी ने पूरे कार्यक्रम की संचालन व्यवस्था सुचारू रूप से संभाली।समापन अवसर पर डॉ रघु और डॉ नितिन डडसेना द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

खबर संक्षेप

शिक्षक ने बेटे के जन्मदिन पर स्कूल में कराया न्योता भोज

कोण्डागांव। ग्राम बुनागाँव के जनपद प्राथमिक उच्च प्राथमिक विद्यालय में पदस्थ शिक्षक दयाराम नेताम ने अपने पुत्र अर्पित नेताम के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को न्योता भोजन कराया। अर्पित नेताम स्वयं इसी विद्यालय में कक्षा 5वीं का छात्र है। जन्मदिन के इस अवसर को खास बनाते हुए बच्चों को स्वादिष्ट पूर्ण भोजन परोसा गया, जिसमें पुरी, मटर पनीर की सब्जी और मिठाई शामिल थी। बच्चों ने उत्साह और आनंद के साथ भोजन का आनंद लिया। न्योता भोजन शिक्षा विभाग की भागीदारी बढ़ाने की पहल संकुल समन्वयक धरम देवांगन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन न्योता भोजन योजना के अंतर्गत किया गया, जो छत्तीसगढ़ शासन की शिक्षा विभाग की एक सराहनीय पहल है। इसका उद्देश्य समुदाय, अभिभावकों और विद्यालय के बीच सहभागिता को बढ़ाना है। इस योजना के तहत विद्यालयों में महीने में एक या दो बार विशेष अवसरों जैसे जन्मदिन, त्योहार, वर्षगांठ, या राष्ट्रीय पर्वों पर सामुदायिक सदस्यों द्वारा बच्चों को स्वेच्छा से भोजन कराया जाता है।

शासकीय हाई स्कूल बालेंगा में धूमधाम से मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

कोण्डागांव। कोंडागांव जिले के विकासखंड बड़ेराजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बालेंगा स्थित शासकीय हाई स्कूल बालेंगा में दिनांक 10 जुलाई को शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्या की देवी माँ सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके पश्चात विद्यालय में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया। इस अवसर पर शाला के कक्षा 10वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इससे अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली। इस आयोजन में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे सुकमन नेताम जनपद अध्यक्ष, बड़ेराजपुर, शिवलाल मरकाम पूर्व जनपद सदस्य, सुखमन सलाम भूतपूर्व सरपंच, सोमलाल नेताम, सगराम मरकाम ग्राम पटेल, जयलाल मरकाम, हेमलाल नेताम भूतपूर्व जनपद सदस्य, छेदीलाल मरकाम वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता समस्त वार्ड पंच, विद्यालय के शिक्षकगण, शिक्षिकाएं एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने फरसगांव विखं में स्वास्थ्य केंद्रों आंगनबाड़ी व विद्यालयों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव/फरसगांव

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने शुक्रवार को फरसगांव विकासखंड अंतर्गत विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को दिए। कलेक्टर ने बालक आश्रम कोसागांव में स्थापित कल्पना कक्ष का निरीक्षण किया, जहां पांचवी कक्षा के बच्चे प्रताप और डिगेश्वर ने कंप्यूटर में हिंदी में अपना नाम टाइप करके दिखाया।

कलेक्टर ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इसी प्रकार सभी आश्रमों में बच्चों को इसी तरह सुविधाएं और माहौल उपलब्ध कराएं ताकि बच्चे बेहतर ढंग से सीख सकें। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और आगे बढ़ने की बात कही। साथ ही आश्रम परिसर में खेल मैदान एवं उद्यान को विकसित करने हेतु भी निर्देशित किया। उन्होंने कोसागांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया और बच्चों को सिखाई जा रही गतिविधियों, पोषण आहार तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

■ बालक आश्रम में बच्चों की प्रतिभा देख कलेक्टर ने की सराहना

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को बच्चों को स्वच्छता की आदतें सिखाने तथा उनके लिए ड्रेस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शासकीय हाई स्कूल कबोंगा के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियों की अंग्रेजी विषय में सुधार हेतु प्रभावी ढंग से पढ़ाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित प्राचार्य को दिए। कलेक्टर ने फरसगांव स्थित शासकीय आदर्श बालक छात्रावास का भी निरीक्षण किया, जहां भवन की जर्जर स्थिति और सीपेज की समस्या का अवलोकन किया। उन्होंने जर्जर स्थिति को देखते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को भवन के पीछे अतिरिक्त भवन निर्माण करने हेतु निर्देशित किया।

ये रहे मौजूद

इस दौरान सीएमएचओ डॉ आर के चतुर्वेदी, जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कृपेन्द्र तिवारी , नगर पंचायत अध्यक्ष प्रशांत पात्र, उपाध्यक्ष मूलचंद पांडे, पार्षद नरेंद्र गौर सहित प्रवीर सिंह बदेशा, कामेश्वर साहू, फरसगांव बीएमओ डॉ ज्योतिर्मयी प्रभावती सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षा विभाग ने चलाया औचक निरीक्षण अभियान, कई स्कूलों में सुधार के दिए निर्देश

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा समय–सीमा बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद, शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने आज जिले के माकड़ी और कोंडागांव विकासखंड के स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती प्रधान और जिला मिशन समन्वयक ईमल बघेल द्वारा गठित दल के नेतृत्व में किया गया।

निरीक्षण दल में जिला परियोजना अधिकारी वेणुगोपाल राव, सहायक जिला परियोजना अधिकारी श्रीमती शीला शार्दुल और सहायक कार्यक्रम समन्वयक शामिल थे। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती प्रधान और एस आर मरावी ने माकड़ी विकासखंड में हाई स्कूल हाड़िगांव, काटागांव, स्वामी आत्मानंद स्कूल शामपुर, टेडमुण्डा, लुभा और चीखलाडीही का दौरा किया। जिला मिशन समन्वयक द्वारा माकड़ी के तमरावंड, करंडी उच्चतर माध्यमिक शाला, बीजापुर, घोड़ासोडा और बिंजोली का निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों ने राकासबेड़ा, बेलोंडी, गुमड़ी, एरला, तोरंडी, तौरेंगा, भीमाबेडा, भतवा, पटेलपारा, सम्बलपुर, बम्हनी, सोनाबाल और मडानार सहित प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों का भी दौरा किया।

स्कूलों को दिए गए निर्देश : निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया और निर्देश जारी किए पाठ्यपुस्तकों और गणवेश वितरण पुस्तकों की स्कैनिंग और वितरण की प्रगति तथा गणवेश वितरण की स्थिति की जांच की गई। पर्यावरण कार्यक्रम एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम में अधिक से अधिक पेड़ लगाने और ऑनलाइन प्रविष्टि करने के निर्देश दिए गए। मध्यान्ह भोजन भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई। उपस्थिति और समयपालन बच्चों की शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पालकों से सतत संपर्क बनाने और शिक्षकों को समय पर स्कूल पहुंचने के निर्देश दिए गए। यू–डाइस अपडेट स्कूलों को यू–डाइस प्रोग्रेसन अपडेट करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 90-दिवसीय अभियान को लेकर न्यायिक अधिकारियों की हुई कार्यशाला

कोण्डागांव। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा द्वारा संचालित मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 90–दिवसीय अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और सफलता सुनिश्चित करने के लिए आज कोण्डागांव में न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठकध्कार्यशाला आयोजित की गई। यह बैठक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोण्डागांव की अध्यक्ष श्रीमती किरण चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हुई।

श्रीमती चतुर्वेदी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए मध्यस्थता को न्यायिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण विकल्प बताया, जो समयबद्ध, सुलभ, किफायती और सौहार्दपूर्ण समाधान प्रदान करता है। उन्होंने अधिवक्ताओं से अपील की कि वे अधिकाधिक मामलों को मध्यस्थता के लिए चिह्नित करें और पक्षकारों को इस दिशा में प्रेरित करें। कार्यशाला में मध्यस्थता की प्रक्रिया, उसके लाभ, चयन योग्य प्रकरणों की पहचान और मध्यस्थता केंद्र की भूमिका पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। न्यायाधीश महोदया ने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि कैसे मध्यस्थता पक्षकारों को न्यायालय में वर्षों तक चलने वाली प्रक्रिया से राहत दिलाकर पारस्परिक समझौते के माध्यम से विवाद सुलझाने में मदद कर सकती है।

■ लंबित मामलों के निपटारे और लोक अदालत की तैयारी पर दिया गया विशेष जोर

लंबित मामलों और नेशनल लोक अदालत पर जोर : न्यायाधीश महोदया ने बताया कि मध्यस्थता के माध्यम से दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, और विभिन्न सिविल मामलों का निपटारा कराया जा सकता है। उन्होंने न्यायालयों में लंबित मामलों के बोझ को कम करने के लिए मध्यस्थता अपनाने के महत्व पर बल दिया।

राज्य स्तरीय कार्यशाला में कोंडागांव के एनएसएस स्वयंसेवकों ने की भागीदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

कोंडागांव जिले से राष्ट्रीय सेवा योजना के चयनित स्वयंसेवक अंजू बोस, कशिश यादव, खिलेंद्र नेगी और शनिदेव बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लेने रवाना हुए। यह दल जिला संगठक शशिभूषण कन्नौजे के नेतृत्व में वरिष्ठ स्वयंसेवक देवेंद्र कुमार एवं अजीत कुमार की उपस्थिति में स्थानीय बस स्टैंड से रवाना हुआ।

11 जुलाई से 13 जुलाई तक झूलेलाल मंगलम भवन, बिलासपुर में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं में आत्मनिर्भरता, सामाजिक नेतृत्व, उद्यमिता और रचनात्मकता की भावना को विकसित करना है। कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सत्रों के अलावा समूह चर्चा, उद्यमशीलता विकास, प्रेरक भाषण और अनुभव साझा करने जैसे कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

■ सेवा से स्वावलंबन की ओर बढ़ता एनएसएस, युवाओं में जगा रहा नई चेतना

सेवा के साथ आत्मनिर्भरता की ओर कदम : राष्ट्रीय सेवा योजना केवल सेवा का माध्यम नहीं, बल्कि यह युवा मन में सामाजिक चेतना और आत्मनिर्भरता की लौ प्रज्वलित करने का सशक्त साधन है। इस कार्यशाला से हमारे स्वयंसेवक नई सोच और ऊर्जा के साथ लौटेंगे।

रोजगार देने वाला युवा बने – वक्ता : कार्यशाला के दौरान वक्ताओं ने कहा आज का युवा केवल नौकरी का आकांक्षी नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सकता है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें दिशा और दृष्टि देने में सहायक होते हैं। कार्यशाला में स्वयंसेवकों को सामाजिक नवाचार, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर कार्य करने की योजनाओं से अवगत कराया जाएगा। यह कार्यक्रम एनएसएस के माध्यम से युवा सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

2024 के पूर्व पंजीकृत रोजगार आवेदकों को आधार लिंक कराने की अपील

कोण्डागांव। जिले के सभी ऐसे आवेदक जिन्होंने वर्ष 2024 के पूर्व जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोण्डागांव में रोजगार के लिए पंजीयन कराया है, उन्हें सूचित किया गया है कि उनका रोजगार पंजीयन आधार कार्ड से लिंक करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। यह प्रक्रिया अगस्त 2025 तक पूरी करनी होगी। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, संबंधित आवेदक किसी भी कार्यालयीन दिवस में अपने शैक्षणिक प्रमाण–पत्र, आधार कार्ड, निवास प्रमाण–पत्र, जाति प्रमाण–पत्र तथा आधार से लिंक मोबाईल नंबर के साथ कार्यालय में उपस्थित होकर पंजीयन अपडेट करा सकते हैं। सुविधा के लिए आवेदकों को यह भी विकल्प दिया गया है कि वे अपने मोबाइल पर छत्तीसगढ़ रोजगार एप्प गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करें या वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीयन अपडेट कर सकते हैं। रोजगार कार्यालय ने वर्ष 2024 के पूर्व पंजीकृत सभी आवेदकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने रोजगार पंजीयन को आधार कार्ड से लिंक करवा लें, जिससे भविष्य में रोजगार से संबंधित योजनाओं और सेवाओं का लाभ सुचारु रूप से मिल सके।

आजीविका मिशन डायरेक्टर ने किया कोंडागांव का दौरा

कोण्डागांव। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की डायरेक्टर आरएल राजेश्वरी एसएम ने शुक्रवार को कोण्डागांव जिले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने शिल्प नगरी, जिला स्तरीय सी–मार्ट और विभिन्न महिला समूहों की आजीविका गतिविधियों का जायजा लिया। राजेश्वरी ने शिल्प नगरी और सी–मार्ट का निरीक्षण करते हुए स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सामग्रियों को बढ़ावा देने और उनकी बिक्री सी–मार्ट के माध्यम से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला स्वसहायता समूहों की दीदियों को लखपति दीदी बनने के लिए प्रेरित किया और उन्हें जिला व विकासखंड स्तर पर विभागीय योजनाओं में प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने समूहों को सब्जी उत्पादन, मुर्गीपालन, बकरीपालन, मछली पालन और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। डायरेक्टर ने आधुनिक कृषि तकनीकों जैसे ड्रीप सिंचाई, मचान पद्धति और मल्चिंग विधि को अपनाकर ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। भ्रमण के दौरान, उन्होंने ग्राम बफना में आईएफसी क्लस्टर के तहत श्रीमती शांति देवांगन और अनिता देवांगन के खेतों का दौरा किया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जिला मिशन प्रबंधक विनय सिंह ने संपूर्ण भ्रमण कराया। राजकुमार, कुंजलाल सिन्हा और महेश्वर राठौर सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिपं सदस्यों का हुआ आधारभूत अभिमुखीकरण प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

जिला पंचायत सदस्यों के लिए आधारभूत अभिमुखीकरण प्रशिक्षण का आयोजन जिला पंचायत संसाधन केंद्र, कोण्डागांव में किया गया। यह प्रशिक्षण कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देशन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ जिला पंचायत अविनाश भोई के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

■ प्रशिक्षण के दौरान योजना और नेतृत्व विकास पर मिला मार्गदर्शन

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जिला पंचायत सदस्यों को पंचायती राज व्यवस्था, विभिन्न सरकारी योजनाओं और उनके क्रियान्वयन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। प्रशिक्षण में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्थानीय सतत विकास लक्ष्य, स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज अधिनियम, ई–ग्राम स्वराज अभियान, और नेतृत्व क्षमता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया।

प्रशिक्षण के अंतिम दिवस हुआ पौधारोपण : प्रशिक्षण के अंतिम दिवस, जिला पंचायत अध्यक्ष रीता सोरी की उपस्थिति में, सभी जिला पंचायत सदस्यों ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत जिला पंचायत संसाधन केंद्र परिसर में पौधारोपण किया।

ये रहे उपस्थित : इस अवसर पर यशोदा रामचंद कश्यप, नंदकुमार राठौर, कपिल कांत नाग, जयलाल नाग, कल्ता मंण्डावी, चरन्तीन नेताम, रदमा बाई बघेल, रामदई नाग, भगवती नेताम और रामचरण सोरी सहित अन्य जिला पंचायत सदस्य उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीआर मोरे उप संचालक, पारस कुमार मानिकपुरी और अनुराधा मेश्राम संकाय सदस्य और गजेन्द्र कुमार साहू जिला समन्वयक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुस्लिम सहित कई समाज के पदाधिकारी की रही मौजूदगी

फख्र-ए-मिल्लत अवार्ड से चमके शहर के सितारे

नारायणपुर। अंजुमन इस्लामिया कमेटी नारायणपुर की जानिब से मंगलवार की शाम कर्बला के शोहदा की याद में एक पुरअसर, रूहानी और दीनी महफ़िल का आयोजन किया गया। इस मौके पर /"फख्र-ए-मिल्लत अवार्ड/" से उन चुनिंदा शख्सियतों को नवाज़ा गया, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतरीन काम करके न सिर्फ नारायणपुर बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया।

कार्यक्रम की शान बढ़ाने वाले मुख्यातिथियों का मंच पर भव्य स्वागत किया गया। उनके सम्मान में इस्तेकबाल के फूल बरसाए गए और दस्तारबंदी के साथ तहेदिल से शुक्रिया अदा किया गया। इस मौके पर सर्व प्रथम पद्मश्री पंडीराम मंडावी का स्वागत अंजुमन इस्लामिया कमेटी नारायणपुर के सदर मोहम्मद इमरान खान के द्वारा किया गया। वहीं सर्व आदिवासी समाज के संरक्षण रूपसाय सलाम का स्वागत सय्यद अख्तर अली के द्वारा किया हैं। सर्व आदिवासी समाज के कार्यकारी अध्यक्ष सदानंद ठाकुर का

स्वागत इलीयास भाई के द्वारा किया। इसी तरह महेश नाग स्वागत मोहम्मद यूसुफ सर के द्वारा किया गया। विशेष अतिथि गोपाल कुलदीप का स्वागत इकबाल कुरैशी और रामसिंह वरदा का स्वागत यंग कमेटी के अध्यक्ष आसिफ मेमन के द्वारा किया गया। इन तमाम मेहमानों की मौजूदगी ने इस महफ़िल को एक तहज़ीबी और सामुदायिक एकता की मिसाल बना दिया।

फख्र-ए-मिल्लत अवार्ड : जज़्बे, हुनर और खिदमत का एहतराम कार्यक्रम का सबसे अहम हिस्सा वो घड़ी थी जब /"फख्र-ए-मिल्लत अवार्ड/" से उन शख्सियतों को सम्मानित किया गया जिनकी मेहनत, लगन और हौसले ने मिल्लत को फख्र से सर उठाने का मौक़ा दिया।

ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम में हाफिज रब्बानी साहब,मौलाना अबुल वफा साहब, मौलाना मुबारक , मौलाना अब्दुल माबूद साहब, हाजी जावेद, जनाब एस.बी. फरीदी, ए.के. फारूकी कारी मुनव्वर हाफिज रब्बानी मौलाना मुबारक शेख तोहिद , अशफाक अहमद, शेख तनवीर, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद इलियास अनवर अली, रेहान अली, मोहम्मद शाहिर इकबाल कुरैशी, महमूद खान एवं अन्य मुस्लिम समाज की महिला एवं पुरुष सहित कई सामाजिक पदाधिकारी मौजूद रहे। नातख़्वानी के दौरान हाजी हाफ़िज़ शरीफ साहब और साथियों ने दिल को छू लेने वाले कलाम पेश किए।

इन्हें मिला अवार्ड

अज़मत फरीदी (मल्लखम्ब, आईजीटी विजेता) – सम्मानितः को अवॉर्ड पद्मश्री पंडीराम मंडावी के द्वारा किया गया। वहीं यश कुमार वरदा (क्रिकेट) – सम्मानित को अवॉर्ड मोहम्मद हुसैन साहब के द्वारा किया गया। कारी फरहान कुरैशी (जामिअतुर रज़ा, बरेली शरीफ) – सम्मानित का सम्मान सर्व आदिवासी समाज के कार्यकारी अध्यक्ष सदाराम ठाकुर के द्वारा किया गया। इसी तरह धनसिंह बघेल (स्वास्थ्य सेवा) – सम्मानित का सम्मान जनाब तौकीर अहमद के द्वारा किया गया शादान फारूकी (वकालत) – सम्मानित रूपसाय सलाम और खुशबू नाग (वेट लिफ्टिंग व बॉडी बिल्डिंग)– सम्मानितः सदर मोहम्मद इमरान खान के द्वारा किया गया। इस मौके पर सदर मोहम्मद इमरान खान ने कहा कि ये अवार्ड न सिर्फ एक सम्मान हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का पैग़ाम भी हैं।

पेज 9 के शेष

सौर ऊर्जा से जगमगाया...

पन्न कराया गया। भारत सरकार ने धुड़मारास गांव और चित्रकोट जलप्रपात को विश्व पर्यटन केंद्र के विकसित क्षेत्र को सर्वश्रेष्ठ गांव के रूप में पुरस्कृत किया गया है। प्राकृतिक रूप से समृद्ध धुड़मारास गांव कांगेर नदी की सुरम्य धारा,हरियाली,जैव विविधता एवं पारंपरिक बस्तरिया संस्कृति पर्यटकों को आकर्षित करती है।

सुविधाएं विकसित की जा रही : राज्य शासन द्वारा ट्रैकिंग ट्रेल,कैंपिंग साइट और होम-स्टे की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। स्थानीय शिल्पकारों व कलाकारों को प्रोत्साहन देकर पारंपरिक हस्तशिल्प को बाजार से जोड़ा जा रहा है। सड़क एवं परिवहन सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है।

कावड़ यात्रा मार्ग में...

तृतीय सोमवार डिमरापाल से छिंदगांव प्राचीन शिव मंदिर, चतुर्थ सोमवार काकड़ी घाट से बस्तर प्राचीन शिव मंदिर में समापन होगी। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद प्रांत प्रचार प्रसार सदस्य रोहन कुमार, जिला अध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता, जिला सत्संग प्रमुख सोम ठाकुर, नगरनार प्रखंड अध्यक्ष कैलाश ठाकुर, जिला गौ संवर्धन प्रमुख विष्णु ठाकुर, जिला संयोजक मुन्ना बजरंगी, जिला अखाड़ा प्रमुख विक्रांत नाग, नगर मंत्री विक्रम ठाकुर, नगर संयोजक भवानी चौहान, नगर साप्ताहिक मिलन प्रमुख योगेश रेली, शत्रुघ्न कश्यप,अभिषेक साहू, तमिश नायडू, मनीष भाटी, कृष बाजपाई सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जलजनित रोगों से बचने...

बात रखी। कार्यक्रम का संचालन गुरु गोविंद सिंह वार्ड पार्षद संग्राम सिंह राणा एवं आभार सभापति निर्मल पाणिग्राही ने किया।

ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम मे सुरेश गुप्ता, नगर मंडल पश्चिम उपाध्यक्ष सुधा मिश्रा, महिला मोर्चा पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मी कश्यप, महामंत्री द्वय अतुल सिम्हा, संजय चंद्राकर, नगर मंडल पश्चिम सोशल मीडिया प्रभारी ब्रिजेश शर्मा, वार्ड बूथ अध्यक्ष विनोद पांडे,उमेश गुप्ता सहित मितानिन व वार्डवासी उपस्थित थे।

जंगल में हुआ प्यार...

लाने का काम करती थी। मैं किसी न किसी तरह से उससे बात करने की कोशिश करता था। वहीं जब भी उस तरफ जाना होता था तो अरूणा से जरूर मिलता था। हालांकि तब तक उसे नहीं पता था कि मेरे मन में उसके लिए फीलिंग्स है। वहीं एक दिन बहुत हिम्मत जुटाया और उसे प्रपोज कर दिया जिस पर वह हैरान रह गई। कुछ दिनों तक बात भी नहीं की। लेकिन दो महीने के बाद उसने रिश्ता कबूल कर लिया। इस बीच संगठन के शीर्ष नेतृत्व को इस बात का पता लगा तो उन्होंने वर्ष 2019 में उसकी नसबंदी करा दी। जिसके बाद दोनों ने शादी कर लिया।

खबर संक्षेप

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विद्यालय में हवन

बस्तर। डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हवन पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं, प्रभारी प्राचार्या, और शाला के सभी बच्चे भी शामिल हुए और आशीर्वाद प्राप्त किया। हवन का आयोजन गुरु पूर्णिमा के अवसर पर किया गया, जो गुरु-शिष्य परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर सभी ने आशीर्वाद प्राप्त किया और अपने गुरुओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। विद्यालय में इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर किए जाते हैं, जो छात्रों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में मदद करते हैं।

मत्स्य किसानों को दी गई योजनाओं की जानकारी

बीजापुर। राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस के अवसर पर जिले के नैमेड़ स्थित शासकीय फिश हैचरी में मत्स्य किसानों के लिए एक दिवसीय संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर संबित मिश्रा के दिशा-निर्देश पर किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से आए मत्स्य कृषकों को मछली पालन से जुड़ी विभिन्न शासकीय योजनाओं, तकनीकी जानकारी एवं प्रशिक्षण अवसरों से अवगत कराया गया।

निधन

राजेन्द्र डेकाटे

जगदलपुर। खेल एवं युवक कल्याण के सहायक संचालक के पद पर कार्यरत राजेन्द्र डेकाटे का शुक्रवार को रायपुर में उपचार के दौरान निधन हो गया। 58 वर्षीय राजेन्द्र का सोमवार को शहर के शासकीय कालोनी साकेत कालोनी निवास में एकाएक तबियत बिगड़ने से वे स्वयं बाइक चलाकर महारानी अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने माइनर हार्टअटैक बताया और इलाज किया। बेहतर उपचार के लिए रायपुर रवाना हुए। 11 जुलाई को दुबारा हार्टअटैक आने से परिजन रायपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया। सुबह साढ़े 9 बजे उपचार के दौरान अंतिम सांस ली। उनकी पत्नी, दो पुत्रों के साथ रायपुर में निवारत थी। जबकि राजेन्द्र डेकाटे जगदलपुर साकेत कालोनी में अकेले रहते थे। उनका निधन से खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम में उन्हें बस्तर क्षेत्र के खिलाड़ियों, विभिन्न खेल संघो से जुड़े पदाधिकारियो व अन्य खेलप्रेमियों ने श्रद्धाजंलि अर्पित करते दो मिनिट का मौन धारण किया।

बच्चे किचन शेड में पढ़ने को मजबूर

4 लाख 50 हजार की मरम्मत राशि हजम

खराब छत और टपकता पानी से बच्चों को पढ़ाई में हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ›› भोपालपटनम

छत से टपकता पानी, दीवारों में सीलन, बिजली व्यवस्था ठप और खिड़की-दरवाजों की हालत खस्ता हम बात कर रहे हैं भोपालपटनम ब्लॉक के कोनागुड़ा प्राथमिक शाला की। जहां मुख्यमंत्री जतन योजना के तहत प्राथमिक शाला कोनागुड़ा भवन की मरम्मत के लिए 4.50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई थी।

- प्रधानाध्यापक और बीईओ की भूमिका सवालों के घेरे में
- ग्रामीणों ने खुद किया स्कूल की मरम्मत

मरम्मत के नाम पर यह पूरी राशि डकार ली गई, लेकिन शाला भवन की हालत आज भी बद से बदतर है। भवन में लगातार छत से पानी टपकने के कारण बच्चों को क्लास रूम की जगह पुराने जर्जर किचन शेड में बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। बारिश के मौसम में ये स्थिति और भी खराब हो जाती है। ग्रामीणों ने खुद मेहनत कर शेड को थोड़ा बेहतर बनाया, रंगाई-पुताई करवाई और गिरते सज्जा को हटाया, लेकिन इस सुधार कार्य की मजदूरी तक का भुगतान नहीं किया गया है।

ग्रामीणों ने किया सवाल, फिर कहां गया 4.50 लाख

जब इस विषय पर प्रधानाध्यापक से सवाल किया गया तो उन्होंने बीईओ पर ही जिम्मेदारी डाल दी। उन्होंने कहा कि बीईओ के कहने पर उन्होंने ब्लैंक चेक दिया था और उसी के माध्यम से राशि निकाली गई। ग्रामीणों ने स्वयं प्लास्टर कर, सज्जा हटाकर रंगाई-पुताई कर दी, लेकिन इसके मजदूरों को अब तक भुगतान नहीं मिला। प्रधानाध्यापक द्वारा कहा गया कि इसके लिए 10,000 रूपए की स्वीकृति है। लेकिन वह भी आज तक ग्रामीण मजदूरों को नहीं मिली।

ग्रामीणों का आरोप है कि पूरे 4.50 लाख में से केवल टाइल्स और पुट्टी का काम किया गया, पीछे का आधा भवन वो भी आधा-अधूरा। न छत की मरम्मत हुई, न बिजली का काम और न ही खिड़की-दरवाजों की मरम्मत की गई।

शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सोढ़ी वेंकट और ग्रामीणों ने बताया कि काम अधूरा होने के बावजूद तत्कालीन बीईओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा था, शिकायत मत कीजिए, काम पूरा कर देंगे। समिति से केवल एक बार हस्ताक्षर करवा कर पूरी राशि का आहरण कर लिया गया, पर कितनी राशि कहां खर्च हुई, इसकी जानकारी तक अध्यक्ष को नहीं है।

बच्चों के साथ हो रहा अन्याय जवाबदेही कौन तय करेगा

एक ओर शासन बच्चों के भविष्य को लेकर सुदूर क्षेत्रों में स्कूलें खुलवा रही है, वहीं जमीनी हकीकत यह है कि मरम्मत के पैसे की बंदरबांट हो रही है। बच्चों को सुरक्षित वातावरण देने के बजाय उन्हें टपकती छत और कीचड़ भरे किचन शेड में पढ़ाई के लिए मजबूर किया जा रहा है।

इस पूरे मामले में तत्कालीन बीईओ और प्रधानाध्यापक की भूमिका संदिग्ध है। ग्रामीणों और समिति के सदस्यों की मांग है कि मरम्मत कार्य की जांच हो और दोषियों से पैसे की वसूली करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

मोहल्ले के रहवासियों का कहना है कि प्रशासन जांच कर स्कूल भवन के छत सुधार करवाए ताकि पानी बाहर गिरे न की क्लास रूम के अंदर।

काम तो नहीं हुआ

स्कूल में 4 लाख 50 हजार का खर्चा बताया जा रहा है लेकिन उस हिसाब से काम तो हुआ नहीं है। बच्चों को बैठने की व्यवस्था नहीं होने के कारण सभी ग्रामीणों ने मिलकर ही किचन शेड में प्लास्टर, टूटे खिड़की दरवाजे के सज्जें को हटाकर प्लास्टर का काम किया है, जिसमें प्रधानाध्यापक ने कहा था कि इस काम के लिए भी 10,000 रूपए आया है लेकिन वो पैसा नहीं मिला है।

-श्रीकृष्ण यालम,
उप सरपंच ग्राम पंचायत रुद्रारम

टोल बचाने की होड़ में बच्चों की जान से खिलवाड़

चिड़ईपदर से टिकरालोहंगा मार्ग बना मौत का रास्ता

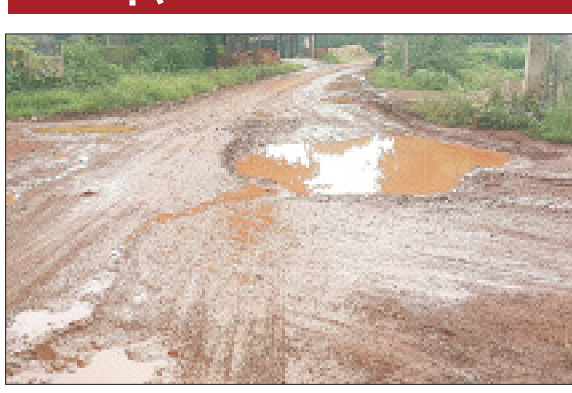

हरिभूमि न्यूज ›› घाटलोहंगा

चिड़ईपदर से टिकरालोहंगा पहुंच मार्ग के चौक में बड़ा गड्ढा हो गया है, जिसमें आए दिन राहगीर गिरकर घायल हो रहे हैं। ग्राम पंचायत टिकरालोहंगा के अंतर्गत आश्रित ग्राम चिड़ईपदर से टिकरालोहंगा को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग इन दिनों दलदल और कीचड़ से पूरी तरह बदहाल हो चुका है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस जर्जर सड़क पर भारी भरकम ट्रेलर और ट्रक धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। वो भी सिर्फ इसलिए कि वाहन मालिक टोल प्लाजा का शुल्क बचा सकें।

कीचड़ भरी और गड्ढों से सड़क पर ट्रेलर और मालवाहक गाड़ियां चल रही हैं, इस मार्ग से स्कूली बच्चे, ग्रामीण और महिलाएं भी प्रतिदिन आवागमन करते हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो गई है। सड़क पर बने गहरे कीचड़ के गड्ढे अब जानलेवा बन चुके हैं।

- जर्जर सड़क पर भारी भरकम ट्रेलर और ट्रक धड़ल्ले से दौड़ रहे

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि टोल बचाने के लिए जान जोखिम में डाली जा रही है। रास्ता इतना खराब है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। प्रशासन को कई बार शिकायत की गई पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। विद्यालय जाने वाले बच्चे और राहगीर हर दिन जान हथेली पर रखकर इस मार्ग से गुजरने को मजबूर हैं। यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो कोई बड़ी दुर्घटना होना तय है।

चौक के पास रहने वाले संजू सोनवानी, राजेन बांदे एवं चिड़ईपदर वासी ने बताया कि आए दिन स्कूली बच्चे कीचड़ से लथपथ होकर कई बार घर वापस होना पड़ रहा है। जब इस मार्ग पर ट्रक आती है तो घटना होने की आशंका बनी रहती है।

अनुपस्थित शिक्षकों पर हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ›› बस्तर

कलेक्टर बस्तर के आदेशानुसार व जिला शिक्षा अधिकारी बस्तर के निर्देशन पर ब्लॉक बस्तर के अंतर्गत संचालित विभिन्न प्राथमिक, माध्यमिक व हाइस्कूल शालाओं का निरीक्षण सहायक खण्ड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार तिवारी द्वारा किया गया।

उनके द्वारा जर्जर व अतिजर्जर व अहाता विहीन शालाओं का भी चिन्हांकन किया गया। बारिश को देखते हुए पानी सीपेज व छत जर्जर होने वाली शालाओं के प्रभारियों को बच्चों को सुरक्षित स्थान पर बिठाने हिदायत दी गई। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा को सर्व प्राथमिकता देने की बात कही है। सर्वप्रथम संकुल रेटावंड के प्राथमिक शाला सिरहापारा की छत जर्जर होने की स्थिति को देखते हुए विकल्प के रूप में समीप स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में ज्यादा बारिश होने पर बच्चों को बिठाने की वैकल्पिक व्यवस्था की गई। अगले क्रम में प्राथमिक शाला रेटावण्ड में सहायक शिक्षक सुखलाल कश्यप बिना किसी सूचना के लगातार कई दिनों से नदारद पाया गया। इसके बारे में ग्रामीणों द्वारा नशे की हालत में रहने की बात कही गई है, इसे यहां से हटाये जाने की मांग की है। अधिकारी द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया है फिर प्राथमिक शाला जामगुडा संकुल खोरखोसा का अवलोकन किया गया। यहां मध्यान्ह भोजन में आवश्यक पोषक तत्वो की कमी पाई, जिस पर अधिकारी द्वारा प्रभारी को स्वसमुह से स्थिति सुधारने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि मध्यान्ह भोजन गुणवत्ता युक्त व मीनू अनुसार होना चाहिए । अगले क्रम में माध्यमिक शाला नन्दपुरा व बनियागांव का निरीक्षण किया गया यहां बनियागांव में बच्चों का गुणवत्ता स्तर आशा के अनुरूप नही पाया गया।

- एबीईओ ने किया विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण

उपस्थित संकुल समन्वयक व प्रभारी से स्तर सुधारने आवश्यक प्रयास करने निर्देश दिए गए। वही संकुल तुरपुरा की माध्यमिक शाला में बच्चों का स्तर बेहतर पाया गया अधिकारी द्वारा पूछे गए सवालों का हाजिर जवाब बच्चों ने दिया, जिससे अधिकारी काफी प्रभावित हुए। उनके द्वारा गणित व विज्ञान विषय पर जानकारी देते हुए क्लास 8वी की क्लास भी ली। प्राथमिक शाला बुनापारा संकुल सालेमेटा में दर्ज संख्या की अधिकता के चलते बैठक व्यवस्था हेतु पर्याप्त कमरे नही होना साथ ही पीने का पानी की भी समस्या पाई गई। पदस्थ टीचर द्वारा अध्यापक दैनन्दिनी भी संधारित किया जाना पाया गया। सोरगांव संकुल अंतर्गत कन्या आश्रम का भी अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया जिसमें प्रत्येक कक्ष में छत से पानी सीपेज की स्थिति पाई गई। जिसके कारण बालिकाओ को बारिश के मद्दे नजर बरामदे में बिठाकर अध्यापन करवाया गया। दर्ज के अनुसार अतिरिक्त 3 कमरों की आवश्यकता है, साथ ही मध्यान्ह भोजन बनाने किचन शेड की भी प्रभारी द्वारा मांग की गई है। अध्ययनरत बालिकाओ ने भी अतिरिक्त कमरे की मांग अधिकारी के समक्ष की जिस पर अधिकारी द्वारा उनकी मांगों को उचित ठहराते हुए नियमानुसार कार्यवाही करने का भरोसा दिया । हाइस्कूल सोरगांव ,पहुचकर क्लास 10वी के बच्चों से रूबरू होकर विषय से सम्बंधित जानकारी अधिकारी द्वारा दी गई। वही 9वी में आने वाले नवीन बच्चों को नियमित शाला आने की समझाइश दी । वही माध्यमिक शाला सोरगांव का भी अवलोकन किया गया सभी व्यवस्था दुरुस्त पाई गई। आज अधिकारी के निरीक्षण के दौरान मुकेश तिवारी, विनय कुमार ,परमेश्वर ठाकुर व डमरूधर पंथ संकुल समन्यक साथ मे उपस्थित थे। अधिकारी द्वारा नियमित शाला निरीक्षण की बात कही है।

सुरक्षा बलों के प्रयास से ग्रामीण हुए लाभान्वित

हरिभूमि न्यूज ›› कोंटा

चिन्तागुफा थाना क्षेत्र पिड़मेल स्थित 50 वीं वाहिनी ने नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र रंगाईगुडा रोड़पारा एवं पिड़मेल गाँव के ग्रामीणों के लिए सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह आयोजन राकेश अग्रवाल भापुसे महानिरीक्षक छत्तीसगढ़ सेक्टर एवं राजेश पाण्डे उप महानिरीक्षक परिचालन रेंज कोटा के मार्गदर्शन में तथा कमाण्डेन्ट प्रेमजीत कुमार के दिशा निर्देशन में रंगाईगुडा रोड़पारा एवं पिडमेल गांव के ग्रामीणों को रेडियों सेट कृषि कार्य के उपकरण एवं अन्य घरेलू उपयोग के सामानों का वितरण किया गया। इसका उद्देश्य गाँव के लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओं की जानकारी देना

एवं समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के साथ-साथ बरसात के मौसम में फैलने वाली बिमारियों की रोकथाम एवं बचाव के प्रति जागरूक करना था ।50 बटा. द्वारा आयोजित इस सिविक एक्शन प्रोग्राम से रंगाईगुडा रोड़पारा एवं पिड़मेल गांव के लगभग 100 से अधिक स्त्री पुरूष एवं बच्चे लाभांवित हुये। कभी भय और पिछड़ेपन का प्रतीक रहे रंगाईगुडा रोड़पारा एवं पिड़मेल जैसे गांव आज उम्मीद और बदलाव के नए केंन्द्र बन रहे है। केरिपुबल के इन प्रयासों से ग्रामीणों में अब डर नहीं बल्कि सुरक्षा, स्वास्थय, शिक्षा और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। यह इस बात का उदाहरण है कि नक्सल प्रभावित इलाकों में हथियार नहीं, बल्कि दिलों को जीतने से स्थायी बदलाव आता है। पिडमेल आज सिर्फ एक गांव नहीं, नक्सलवाद से मुक्ति की ओर एवं विकास की नई कहानी गढ़ रहा है। सिविक एक्शन प्रोग्राम मे रंगाईगुडा, रोडपारा एवं पिडमेल के सभी ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिससे स्पष्ट होता है कि इन इलाकों के ग्रामीणों में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ रहा है।

कर्मचारियों ने मांगों को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ›› बस्तर

प्रदेश नगरी निकाय कर्मचारी संघ के आह्ववान पर नगर पंचायत बस्तर के कर्मचारियों ने तीन सूत्रीय मांग को लेकर शुक्रवार को काली पट्टी लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे प्रदेश में आधिकारी, कर्मचारी नगरीय निकाय कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में 5 जुलाई को तीन महत्वपूर्ण मांगों को लेकर मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के लिए इकट्ठा हुए थे। इसस

शासन ने अपनी नाकामयाबी को छुपाते हुए आंदोलनकारी को बसों में जबरन ठूस कर शहर से दूर अन्यत्र स्थान पर ले जाया गया ताकि आंदोलन बाधित हो। पूरे प्रदेश के कर्मचारियों में काफी रोस है। हम अपनी तीन सूत्रीय मांग जिसमें महीने के प्रथम तारीख को वेतन भुगतान, नगरी निकाय कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने और बरसो से एक ही पद में कार्यरत कर्मचारियों को पदोन्नति प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण मांगों को लेकर आंदोलन जारी रहेगा।

नगरी निकाय कर्मचारी अपनी बाहों में काली पट्टी लगाकर कार्यालय कार्यों को करेंगे। नगर पंचायत बस्तर के कर्मचारी उप अभियंता रोहित नाग, अनिल साव, रामदास कश्यप, राकेश अग्रवाणी, गंगाराम प्रधान, जगतार लाल साहू, कमलोचन नाग, अनवरी बेगम मौजूद रहे।

कलेक्टर ने स्कूलों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ›› सुकमा

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव शुक्रवार को विकासखण्ड छिंदगढ़ में स्थित विकासखंड चिकित्सालय और पीएचसी तोंगपाल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्रों में बरसाती पानी और अन्य स्त्रोतों से जमा गंदे पानी को साफ करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने उल्टी-दस्त और डेंगू-मलेरिया जैसे बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की आवश्यक तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में कपड़ा सुखाने के लिए हीटर रखने और भर्ती मरीजों के लिए मच्छरदानी का उपयोग करने निर्देशित किया। उन्होंने पोषण पुनर्वास केन्द्र और मैटरनिटी वार्ड में भर्ती मरीजों के खान-पान एवं पौष्टिक आहार में विशेष ध्यान देने कहा। स्वास्थ्य कार्यकतार्ओं को गर्भवती, शिशुवती और छोटे बच्चों को शत-प्रतिशत टीकाकरण करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात वे प्राथमिक शाला चिपुरपाल और गिरलीगुटी पहुंचे। स्कूल में उन्होंने बच्चों को पढ़ाई से संबंधित कुछ प्रश्न भी पूछे। उन्होंने बच्चों के लिए पुस्तकें और गणवेश की उपलब्धता की जानकारी ली। छात्रों की उपस्थिति कम होने पर अभिभावकों से मिलकर काउंसिलिंग करने के निर्देश दिए।

स्कूल में अध्ययनरत कक्षा 3 री के छात्र को चर्मरोग से संबंधित समस्या थी। उन्होंने तत्काल स्वास्थ्य विभाग को छात्र का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी स्कूलों, आश्रम और छात्रावासों में छात्रों का नियमित स्वास्थ्य जांच करने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम छिंदगढ़ विजय प्रताप खेस और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बच्चों की स्कूल फीस माफ करने प्राचार्य ने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ›› दरभा

विकासखण्ड दरभा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदबहार में गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था में पदस्थ व्याख्याता एवं प्रभारी प्राचार्य बुधराम कश्यप द्वारा गुरु पूर्णिमा व अपने जन्मदिन पर 27 अनाथ व निर्धन विद्यार्थियों को जैसे 11वीं व 12वीं के छात्र - छात्राओं को पुस्तक -कापी, 9वीं-10वीं के छात्र छात्राओं को कापी पेन का वितरण किया गया।

साथ ही इन बच्चों की स्कूल फीस माफ किए जाने हेतु भी प्राचार्य द्वारा घोषणा किया गया। ताकि इन बच्चों के पढ़ाई लिखाई में कोई भी आने वाली परेशानी व समस्याएं दूर हो सके। बच्चों के सामने बहुत सी समस्याएं खड़ी हो जाती हैं और ऐसे बच्चे जिन्हें पुस्तक,कापी एवं फीस आदि की व्यवस्था नहीं हो पाने के कारण बीच में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं और काम की तलाश में निकल जाते हैं और छोटे उम्र में ही मजबूरीवश किसी काम में लग जाते हैं। इन्हीं सब बातों को महसूस कर एवं ध्यान में रखते हुए इस पहल को शुरू करने की कोशिश की गई है। साथ ही इन बच्चों के अलावा स्कूल के और भी गरीब जरूरतमंद बच्चों को नगद के रूप में फीस के लिए तथा 12वीं उत्तीर्ण कई बच्चों को कॉलेज में प्रवेश हेतु ऑनलाइन फॉर्म भरने में लगाने वाली राशि का भी सहयोग इसी सत्र में किया गया है। हर साल बच्चों को कुछ ना कुछ गुप्त रूप से पुस्तक, कापी,फीस के लिए नगद राशि देकर लगातार सहयोग किया जाता रहा है। अंत समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं व कार्यालयीन स्टॉफ को यादगार स्मृति स्वरूप पेन प्रदान किया गया। अंत में एक पेड़ मां के नाम पर पौधरोपण किया गया। साथ ही एक पेड़ मां के साथ घर पर लगाने हेतु बच्चों को पौधा भी वितरण किया गया। इस अवसर पर व्याख्याता डॉ.अखिलेश त्रिपाठी, दीनबंधु नाग, डॉ.तुलादास मानिकपुरी, डॉ. लुदरसन कश्यप, उषा कश्यप, मनोहर सिंह बरनाला, प्रमोद कुमार मरावी,सुबोध शुक्ला, नोहर सिंह सलाम, दिनेश नाग, देवचन्द सेठिया, हेमंत मांझी, जगन्नाथ समरथ तथा छात्र छात्राएं थे।

शपथ पत्र

मैं श्री धिरेन्द्र कृष्ण पटनायक पिता स्व. यु.के.आर. पटनायक निवासी पेट्रोल पम्प के सामने झा काम्पलेक्स धरमपुरा रोड, जगदलपुर जिला बस्तर छ.ग. निम्न कथन करता हूंः

1. यह कि मैं उक्त पते का निवासी हूं।
2. यह कि मेरे आधार कार्ड क्र. 7284 4603 4050 पर मेरा नाम यु. धीरेंद्र पटनायक दर्ज किया गया है।
3. यह कि मेरे शैक्षणिक अभिलेखों व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम यु. धीरेंद्र पटनायक दर्ज है।
4. यह कि मैं अपने आधार कार्ड में अपना नाम परिवर्तन कर धिरेन्द्र कृष्ण पटनायक करवाना चाहता हूं।
5. यह कि उक्त शपथ पत्र आधार कार्ड में नाम परिवर्तन के समर्थन में प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

खबर संक्षेप

मुकेश ने लिया ईएण्डएम के ईई का प्रभार

जगदलपुर। रायपुर से पहुंचे मुकेश शुक्ला ने लोक निर्माण विभाग विद्युत यांत्रिकी जगदलपुर संभाग में कार्यपालन अभियंता का प्रभार लिया। उन्होंने बताया कि लंबित कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

महापौर एवं भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर

जगदलपुर। नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने बताया कि नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली महापौर एवं उनकी टीम का दोहरा मापदंड एवं चरित्र अब जगजाहिर हो चुका है। जब नगर निगम अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करता है,तब गरीब दुकानदारों और सामान्य नागरिकों पर महापौर का बुलडोजर बेरहमी से चलता है,लेकिन जब किसी रसूखदार या प्रभावशाली व्यक्ति के अतिक्रमण को हटाने की बारी आती है,तो वही महापौर और उनकी टीम पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपने की नौटंकी करने पहुंच जाते है। यह सीधा संकेत है कि नगर प्रशासन की कार्रवाई केवल कमजोर वर्ग के विरुद्ध ही की जाती है,जबकि प्रभावशाली लोगों को संरक्षण प्रदान किया जाता है। इसी प्रकार का दोहरा चरित्र आवारा पशु एवं स्वान के मुद्दे पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। महापौर एवं उनकी टीम आवारा मवेशियों के मालिकों से भारी-भरकम जुर्माना वसूलने की योजनाएं बना रहे हैं,जबकि शहर में आवारा स्वान के द्वारा बच्चों,महिलाओं एवं बुजुर्गों पर लगातार हमले हो रहे हैं, कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

द साइलेंट थ्रेड का विमोचन आज

जगदलपुर। शहर के दलपत सागर के पास बस्तर हेरिटेज परिसर बस्तर आर्ट गैलरी में 12 जुलाई की शाम 4.30 बजे उपन्यास द साइलेंट थ्रेड का विमोचन किया जाएगा।

सीधी भर्ती के तहत हुई नियुक्ति, 10 वर्ष के बाद भी नियमितीकरण से वंचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोकापाल/जगदलपुर

बस्तर जिला स्कूल आश्रम छात्रावास शासकीय चतुर्थ वर्ग कर्मचारी कल्याण संघ की पदयात्रा अभनपुर रायपुर तक पहुंच गई है । आदिम जाति कल्याण विभाग में पांचवी अनुसूची क्षेत्र विशेष भर्ती अभियान के तहत सीधी भर्ती के तहत नियुक्ति कर्मचारी जो की 10 वर्ष पूर्ण होने के बाद भी नियमितकारण से आज तक वंचित हैं और वर्ष 2018 से ही अपने नियमितकारण की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। किंतु हमारी मांगों पर अब तक शासन, प्रशासन ने गंभीरता से नहीं ली न ही दिखाई है जिससे अपने भविष्य को लेकर चिंतित हम कर्मचारियों ने 1 मई 2025 से जगदलपुर से रायपुर तक पदयात्रा कर शासन तक अपनी बात पहुंचाने का निर्णय लिया। 2 मई को पदयात्रा बनियागांव जिला कोंडागांव पहुंची थी । तभी विभागीय सहायक आयुक्त गणेश राम सोरी बनियागांव पहुंचकर संघ के प्रतिनिधिमंडल से वातार्लाप किया और प्रतिनिधि मंडल को जगदलपुर बुलाकर कलेक्टर के साथ वातार्लाप कराया गया और मांगों को एक माह में पूरा करने का लिखित आश्वासन दिया गया था । जिसके बाद संघ ने अपनी पदयात्रा बनियागांव में स्थगित कर दिया था । परंतु डेढ़ माह बीत जाने के बाद भी जिला प्रशासन द्वारा संघ प्रतिनिधियों को गुमराह किया जा रहा था जिसे देखते हुए संघ ने अपने सभी कर्मचारियों के साथ 24 जून से पुनः रायपुर के लिए पद यात्रा प्रारंभ किया जो 9 जुलाई को अभनपुर जिला रायपुर पहुंचने पर पुलिस प्रशासन द्वारा तुता नया रायपुर धरना स्थल पर जाने का निर्देश दिया गया। पदयात्रा तुता रायपुर पहुंचने के पश्चात 15 जुलाई को रायपुर विधानसभा घेराव किया जाएगा। यदि मांगों का निराकरण न होने की स्थिति में अन्य जल त्याग कर आमरण अनशन किया जायेगा ।

मांगों का निराकरण नहीं होने पर 15 को विधानसभा घेराव एवं आमरण अनशन

नहीं ली सुध

संघ को यह बताते हुये पीड़ा हो रही है कि हम कर्मचारियों के दल में दिव्यांग कर्मचारी और महिला कर्मचारी अपने बच्चों के साथ भारी बारिश के बीच लगभग 300 किलोमीटर के बाद पद यात्रा कर चुके हैं किंतु अभी तक ना शासन ना ही प्रशासन ने और ना ही किसी जनप्रतिनिधि ने हमारी सुध ली है न हीं वार्ता की पहल की ।

अधिकारियों ने पीएम आवास हितग्राहियों की ली बैठक

प्रशासन पहुंचा पीएम आवास के हितग्राही के द्वार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

- मोर गांव मोर पानी महाअभियान -जल बचाने संकल्प लिया, स्वच्छता बनाए रखने के साथ ही परिसर में पौधे रोपे गए

विकासखंड भैरमगढ़ से बारसूर होते हुए चित्रकूट जाने वाली मार्ग में लगभग 70 किलोमीटर दूरस्थ ग्राम पंचायत बेंगलूर स्थित है। इस ग्राम पंचायत में वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 114 आवास स्वीकृत हुए है।

कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत हेमंत रमेश नंदनवार के मार्गदर्शन में आवास निर्माण कार्य में प्रगति लाने जिला पंचायत से शाखा प्रभारी अधिकारियों ने ग्राम पंचायत बेंगलूर पहुंचकर पीएम आवास हितग्राहियों की बैठक ली। बैठक में सरपंच रमली मंडावी की उपस्थिति में सहायक परियोजना अधिकारी मनीष सोनवानी एवं जिला समन्वयक गंभीर सिंह परिहार ने प्रत्येक हितग्राहियों के आवास की प्रगति की वस्तु स्थिति की जानकारी लेने के साथ तकनीकी पहलुओं एवं राशि आबंटन की संबंधी प्रक्रिया से अवगत कराते हुए निर्माणाधीन आवास को जल्द पूर्ण करने कहा गया। हितग्राहियों को आवास निर्माण में आने वाली समस्याओं को पूछते हुए निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही की गई।

बैठक उपरांत पंचायत परिसर में ग्रामीणों द्वारा मोर गांव मोर पानी अभियान अंतर्गत जल बचाने संकल्प लेते हुए स्वच्छता शपथ भी लिया गया। जिला समन्वयक एसबीएम अमृत साहू ने जल के महत्व को बताते हुए महात्मा गांधी नरेगा एवं स्वच्छ भारत मिशन से प्रत्येक घर सोखता गड्ढा बनाने को कहा गया। पंचायत परिसर में एक पेड़ मां के नाम थीम पर ग्रामीणों द्वारा पौधे रोपे गए।

इस अवसर पर पीएम आवास ग्राम पंचायत नोडल जी पी नाग, ब्लॉक कोआडिनेटर विकास मंडावी, मनकू तेलम, ग्राम पंचायत सचिव सोहन के अलावा ग्रामीण उपस्थित रहे।

सांई मंदिर में हुआ गुरू पूर्णिमा उत्सव...

जगदलपुर। शहर के धरमपुरा मार्ग स्थित शिरडी सांई मंदिर में साईं सेवा समिति ने 9 से 11 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा उत्सव किया गया। इसमें तीसरे दिन शुक्रवार को साई बाबा पुष्प अर्चना, तुलसी पूजन, सत्यनारायण पूजा किया गया। समिति ने प्राकृतिक प्रसाद के रूप में एक पौधा प्रकृति के नाम लगाएं पौधा मंदिर परिसर से दिया।

गुरू पूर्णिमा पर अधिवक्ता परिषद ने की संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

गुरू पूर्णिमा के अवसर पर अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद द्वारा संघ कार्यालय में गुरू पूर्णिमा पर्व पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें अधिवक्ताओं ने गुरु पूर्णिमा पर्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का आरम्भ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और भगवा ध्वज को प्रणाम करते हुए किया। इस दौरान अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के संभागीय अध्यक्ष सपन देवांगन ने गुरु पूर्णिमा का महत्व बताते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है। इसे व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है, क्योंकि इसी दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, जिन्होंने वेदों को चार भागों में विभाजित कर मानवता को ज्ञान का अमूल्य खजाना दिया। यही कारण है कि उन्हें सभी गुरुओं का गुरु माना जाता है। दिनेश पानीग्राही ने कहा कि गुरु, अज्ञान के अंधकार को दूर करके ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं और सही मार्ग दिखाते हैं। वे न केवल शिक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि जीवन के हर पहलू में मार्गदर्शन करते हैं।

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष अर्पित मिश्रा ने कहा गुरु वह है जो ज्ञान दे। इस आधार पर व्यक्ति का पहला गुरु माता-पिता को माना जाता है। दूसरा गुरु शिक्षक होता है जो अक्षर ज्ञान करवाता है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गुरु भागवत ध्वज की विशेषताओं का वर्णन किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीनिवास रथ ने किया। संगोष्ठी में अधिवक्ता परिषद के एल ईश्वर राव आरती दुआ, जयप्रकाश पाढ़ी, नितिन जैन, मलय झा, जयांश देवांगन, सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल रहे।

चित्रगुप्त मंदिर के वार्षिक उत्सव पर हुआ सुंदरकांड का पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

लालबाग में स्थापित भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर के 10वीं वार्षिक उत्सव के अवसर पर शुक्रवार को मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया।

कायस्थ समाज के सचिव गजेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि बस्तर जिला में रियासत कालीन समय से स्थापित कायस्थ समाज के द्वारा लाल बाग में अपने इष्ट देव भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर का निर्माण कर वर्ष 2016 में भगवान की प्राण प्रतिष्ठा की गई। तथा प्रतिवर्ष 10 जुलाई को भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर का वार्षिक उत्सव कार्यक्रम समाज के द्वारा आयोजित किया जाता है। इस वर्ष मंदिर के 10वे वार्षिक उत्सव के अवसर पर प्रातः भगवान श्री चित्रगुप्त का अभिषेक, श्रंगार तथा आरती किया गया। उसके पश्चात संध्या 5 बजे हवन,पूजन व महाआरती करने के बाद संध्या 6 बजे से श्री चैतन्य संकीर्तन मंडली के द्वारा मंदिर में सुंदर कांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। उसके पश्चात भजन संध्या व आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के श्रद्धालु उपस्थित रहे। इसी के साथ आज के इस कार्यक्रम में विगत दिनों शहर के हाता ग्राउंड में सामाजिक एकता कप क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल कायस्थ समाज जगदलपुर के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों को भी समाज को गौरांवित करने के लिए स्मृति चिन्ह देकर तथा कार्यक्रम में उपस्थित समाज के वयोवृद्ध जनो को शाल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

कोबरा कमांडों शांति स्थापित करने एवं पर्यावरण संरक्षण में दे रहे योगदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

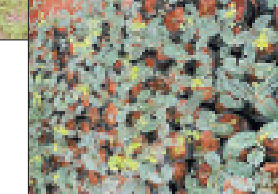

सीआरपीएफ छत्तीसगढ़ आईजी राकेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में जगदलपुर में कोबरा कमांडेंट अमित चौधरी और संतोष कुमार मल्ल के नेतृत्व में कोबरा अधिकारियों और जवानों ने मिल कर पिछले कुछ हफ्तों में बीजों से सैंकड़ों पौधे अपनी नर्सरी में तैयार किए हैं जिन्हें मानसून के मौसम में छत्तीसगढ़ के अंदरूनी इलाकों में लगे एफओबी कैंपों में और उनके आसपास में लगाया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह की प्रेरणा से सीआरपीएफ पूरे भारत में करोड़ों वृक्ष लगा चुकी है। अब कोबरा कमांडों नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापित करने के साथ साथ छत्तीसगढ़ के पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा पर शिक्षकों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

भारतीय जनता पार्टी के द्वारा गुरु पूजन पर नगरनार मंडल में शिक्षको, चिकित्सक, सामाजिक कार्य कर समाज को नई दिशा देने वाले गुरुजनों का पूजन कर उनका सम्मान किया गया। नगरनार में निवासरत विभिन्न विषयों को लेकर अभी भी आवाज उठाने वाले राजा राम यादव सेवा निवृत्त शिक्षक, शिक्षक देव नाथ यादव, अर्जुन देवांगन, बुधराम देवांगन, केपी डे,बनमाली रायकवार, सुश्री संगीता मोन, एसएस तिवारी,डा रमाकांत त्रिवेदी, मंगल राम कुंवर,खम्हार गांव के शिव मंदिर पुजारी यादव का सम्मान किया गया। इस दौरान महेंद्र सेठिया, सुब्रतो विश्वास, पदलम नाग, सीमांचल दास, मोहन सेठिया, सविता सहनी, महामंत्री राजेश शर्मा, मनोज पटेल, माड़पाल सरपंच महादेव बकरा, लक्ष्मी घरत, राधेश्याम पंद्रे समेत अन्य उपस्थित रहे।

दहेज नहीं, समर्पण चाहिए के तहत हुआ अनोखा विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

जब समाज दिखावे और खचीर्ली रस्मों में उलझा हुआ है, एक अनोखा विवाह समारोह उम्मीद की किरण बनकर उभरा। संत रामपाल महाराज के पावन सान्निध्य में संपन्न इस दहेज मुक्त विवाह ने न केवल सामाजिक कुरीतियों को चुनौती दी, बल्कि एक नए युग की ओर पहला ठोस कदम भी बढ़ाया।

इस विवाह में न कोई बैंड-बाजा था, न बारात, न वरमाला, न ही कोई आडंबर-सिर्फ सच्ची श्रद्धा और सादगी थी। यह विवाह रमैणी विधिह्व के माध्यम से मात्र 17 मिनट में संपन्न हुआ। इस विधि में फेरों की जगह पूर्ण परमात्मा कबीर साहेब की स्तुति की जाती है, जिससे दंपती आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेते हैं।

तनु दासी और चंद्रभूषण दास का यह विवाह समारोह समाज में एक नया संदेश देने वाला रहा। न कोई लेन-देन, न दिखावा-बल्कि एक उद्देश्य था कि समाज से दहेज, बाल विवाह, भ्रूण हत्या और आत्महत्या जैसी कुप्रथाओं को जड़ से समाप्त किया जाए।

यह केवल एक विवाह नहीं, बल्कि एक आंदोलन था सादगी, समानता और आत्मिक सुधार का। संत रामपाल जी महाराज का उद्देश्य केवल सामाजिक रीतियों को बदलना नहीं, बल्कि जीवन की दिशा और सोच को सही मार्ग पर लाना है।

इस आयोजन में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भी सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए और उन्होंने इस पहल को मानवता की सेवा और सत्य ज्ञान का प्रतीक बताया।

आज जब दहेज के कारण बेटियों की हत्या हो रही है, तो ऐसे विवाह समारोह समाज के लिए जीवंत उदाहरण हैं कि सच्चा प्रेम और समर्पण किसी लेन-देन का मोहताज नहीं होता।